RAJ EXPRESS, Bhopal, 18.9.2020
Page No. 12, Size:(28.50)cms X (14.68)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट से 90 हजार को मिलेगा रोजगार

अहमदाबाद, (एजेंसी)। एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली महत्वाकांक्षी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को क्रियान्वित करने वाले नेशनल हाई स्पीड रेल कारपोरेशन (एनएचएसआरसीएल) ने गुरुवार को कहा कि इसके निर्माण के दौरान ही प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों मिलाकर 90 हज़ार से अधिक रोज़गार के अवसर पैदा होंगे।

कारपोरेशन की प्रवक्ता सुषमा गौर ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि निर्माण संबंधी काम के लिए 51,000 से अधिक टेक्निशियन तथा कुशल और अकुशल कामगारों की ज़रूरत होगी। कारपोरेशन ऐसे लोगों को विभिन्न संबंधित कामों के लिए प्रशिक्षण देने की संभावनाएं तलाश रहा है। पटरी बिछाने के लिए कारपोरेशन ठेकेदारों के कर्मियों के विशेष प्रशिक्षण की भी व्यवस्था करेगा। उन्होंने बताया कि निर्माण के दौरान 34,000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर भी पैदा होंगे। 480 किमी से अधिक लंबी इस

एनएचएसआरसीएल ने कहा निर्माण कार्य में लगेंगे हजारों कुशल और अकुशल कामगार

पटरी में 460 किमी लंबा वायाडक्ट (ज़मीन के ऊपर बनी पुलनुमा संरचना) और समुद्र के नीचे सात किमी समेत कुल 26 किमी लम्बी सुरंगें, 27 लोहे के पुल, 12 स्टेशन और कई अन्य सहायक सुपर संरचनायें होगी। इसके निर्माण के दौरान 75 लाख टन सीमेंट, 21 लाख टन स्टील का इस्तेमाल होने का अनुमान है। इससे भी संबंधित उद्योगों और उनसे जुड़ी आपूर्ति श्रृंखला में रोज़गार के अतिरिक्त अवसर पैदा होंगे।

2016 में गठित इस कारपोरेशन की प्रवक्ता ने बताया कि निर्माण सम्बंधी कुछ जरूरी कामों के लिए निविदाएं अगले दो माह में खुलेंगी और उन्हें अंतिम रूप दिया जाएगा। इस परियोजना के लिए अब तक कुल जरूरत की 64 प्रतिशत भूमि अधिग्रहीत हो चुकी है जिसमें से 82 प्रतिशत गुजरात और केंद्र शासित क्षेत्र दादरा और नगर हवेली में तथा क़रीब 23 प्रतिशत महाराष्ट्र में है। ज्ञातव्य है कि जापान की सहायता वाली इस परियोजना के कार्य का औपचारिक उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे की मौजूदगी में सितंबर 2017 में अहमदाबाद में किया था।